

तकनीक आधारित कृषि से बढ़ाई जाएगी किसानों की आय: डॉक्टर एनके शर्मा



इटवा। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के पूर्व अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा ने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में अपने ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अवगत कराया कि टिकाऊ खेती के लिए आधुनिक तकनीक अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण में ए आई, मशीन लर्निंग, आईओटी एवं सेंसर नेटवर्क की कृषि के क्षेत्र में उपयोगिता को विस्तार से समझाते हुए युवा शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए अवगत कराया कि वे अपने शोध कार्यों में आधुनिक तकनीक का समावेश करते हुए परंपरागत कृषि

से आधुनिक कृषि तकनीक पर अपना ध्यान केंद्रित कर अपने शोध एवं नवाचार के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में सक्रिय योगदान देने का कार्य करें। डॉक्टर शर्मा ने अवगत कराया की 2050 तक भारतीय आबादी को भरण पोषण हेतु 60 प्रतिशत सरप्लस भोजन की आवश्यकता होगी। जिसकी पूर्ति बिना नवीन तकनीक अपनाएं परंपरागत खेती के माध्यम से पूरी नहीं की जा सकती। तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ संजय सिंह डीजी, उपकार ने की। इस तीन दिवसीय शिक्षाविद संगोष्ठी का आयोजन गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत जी के मुख्य संरक्षण में किया जा रहा है।

खेती के लिए एआई व सेंसर तकनीक अपनाना जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

इटावा। कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा ने कहा कि टिकाऊ खेती के लिए आधुनिक तकनीक को अपनाना समय की जरूरत है। उन्होंने तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण के दौरान कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, आईओटी और सेंसर नेटवर्क



ऑनलाइन संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण देते पूर्व अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा। स्रोत : स्वयं की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. एनके शर्मा ने युवा शोधार्थियों से कहा कि अपने शोध कार्यों में आधुनिक तकनीकों का समावेश करें और परंपरागत कृषि से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करें। शोध और नवाचार के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कहा कि वर्ष 2050 तक भारतीय आबादी के भरण-पोषण के लिए 60 प्रतिशत सरप्लस भोजन की जरूरत होगी।

कहा कि इसकी पूर्ति नवीन तकनीकों को अपनाए बिना केवल परंपरागत खेती के माध्यम से संभव नहीं होगी। इसलिए कृषि उत्पादन बढ़ाने और खेती को टिकाऊ बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग आवश्यक है। संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. संजय सिंह ने की। तीन दिवसीय शिक्षाविद संगोष्ठी का आयोजन गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत के मुख्य संरक्षण में किया जा रहा है।